

Philosophy Study Materials
Semesters - II (General)

Soumen Pal

Mobile No - 7980601891

নির্বচনীয় ন্যায় (Categorical Syllogism)

→ 'ন্যায়' - বস্তুটির তথ্য মধ্যে সূক্তি। ন্যায় দু'বাক্যের
 মতে সঙ্গত - নির্বচনীয় ন্যায় এবং অর্থাৎ ন্যায়
 - নির্বচনীয় ন্যায় প্রতিটি বস্তুই - নির্বচনীয় বস্তু, অন্যদিকে
 অর্থাৎ ন্যায় অন্তত একটি বস্তু অর্থাৎ বস্তু।

একটি নির্বচনীয় ন্যায় -
 একটি নির্বচনীয় সূক্তি যা তিনটি নির্বচনীয় বস্তু
 দিয়ে গঠিত হয় এবং প্রথমে তিনটি সূত্রিক সূত্র
 করে প্রবৃত্ত হয়। যখন -

- ১. প্রথম সূত্রিক সূত্র - A ।
- ২. দ্বিতীয় সূত্রিক সূত্র - E ।
- ∴ প্রথম সূত্রিক সূত্র - E ।

ন্যায়ের বৈশিষ্ট্য:

- ১) ন্যায় দু'বাক্যের সংযোগ সূক্তি, দুই-এর একটিও নয়,
 কখনও নয়।
- ২) দু'বাক্য সূক্তি পরস্পর সংযুক্ত হবে অর্থাৎ দু'বাক্য সূক্তি
 করে একটি বস্তুই অর্থাৎ বস্তু।
- ৩) নির্বচনীয় সূত্র দু'বাক্য থেকে নির্বচনীয় সূত্র। অর্থাৎ
 নির্বচনীয় বস্তুদের দু'বাক্যকে অতিরিক্ত বস্তু থাকে না,
 দু'বাক্য থেকে নির্বচনীয় বস্তু বস্তুই নয়।
- ৪) ন্যায়-তিনটি সূত্র সূত্র করে প্রবৃত্ত হবে।
- ৫) নির্বচনীয় সূক্তির অর্থে বস্তুই বস্তু বস্তু বস্তু বস্তু বস্তু বস্তু
 দু'বাক্য থেকে নির্বচনীয় সূত্র সূত্র সূত্র সূত্র সূত্র সূত্র
- ৬) দু'বাক্য ন্যায় নির্বচনীয় সূক্তির একটি সূত্র-অর্থাৎ
 সূক্তির বস্তুই অর্থাৎ নয়, সূক্তির অর্থাৎ
 অর্থাৎ অর্থাৎ বস্তুই ন্যায়ের অর্থাৎ বস্তু।

न्यायभेद चिह्नः :-

आदर्श न्याये - तिनटि वचन आरुको चरु प्रिभन
 द्वादि हेतुवाक्य जसु लक्षणवादि - तिनटि, प्रिभन
 हेतुवाक्य इत न्निवत हेतुवाक्य जसु - तिनटि हेतुवाक्य
 - प्रिभन हेतुवाक्य, न्याये तिनटि चरु आरुको
 लसु, चरु उ हेतुवाक्य,

सम्युपपत्तिः :- तिनटि चरु आरुको लसुपपत्ति वचन
 इतु। सम्युपपत्ति जसु प्रिभन चरु उ इतु प्रिभन
 हेतुवाक्य, जसु प्रिभन हेतुवाक्य जसु प्रिभन
 लसुपपत्ति, लसुपपत्ति 'S' तिनटि चरु - तिनटि
 चरु इतु।

आश्रयपत्तिः :- तिनटि चरु आरुको आश्रयपत्ति वचन
 इतु। आश्रयपत्ति जसु प्रिभन चरु प्रिभन चरु, जसु
 प्रिभन चरु जसु प्रिभन आश्रयपत्ति,
 आश्रयपत्ति 'P' तिनटि चरु - तिनटि चरु इतु।

द्वैतपत्तिः :- इतु चरु तिनटि हेतुवाक्य आरु, तिनटि
 तिनटि चरु जसु चरु हेतुवाक्य वचन इतु।
 हेतुवाक्य 'M' तिनटि चरु - तिनटि चरु इतु।
 न्याये हेतुवाक्य प्रिभन - तिनटि चरु इतु,
 चरु - तिनटि चरु प्रिभन हेतुवाक्य आश्रयपत्ति
 जसु प्रिभन इतु उ प्रिभन हेतुवाक्य लसुपपत्ति
 जसु प्रिभन इतु, तिनटि लसुपपत्ति उ आश्रयपत्ति
 चरु चरु - तिनटि चरु इतु।
 चरु इतु -

प्रिभन हेतुवाक्य : तिनटि लसु चरु तिनटि (E)
 प्रिभन हेतुवाक्य : चरु तिनटि इतु तिनटि (I)
 - तिनटि : ∴ चरु तिनटि लसु लसु (O)
 (लसु) S (आश्रय) P